लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें

प्रलिम्सि के लयि:

सरकारी घाटा, Covid-19, लघु बचत योजनाएँ

मेन्स के लयि:

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कटौती के लाभ और हानि

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार जुलाई-सतिंबर तमिाही के लयि छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज़ दरों में कटौती कर सकती है।

- अर्थशास्त्रयिों के अनुसार, इस समय छोटी बचत दरों में कटौती से मुद्रास्फीतिमें वृद्धिके बीच परविारों को और नुकसान होगा।

प्रमुख बदि:

पृष्ठभूमि:

- अप्रैल 2020 में वभिन्नि उपकरणों/प्रपत्र पर छोटी बचत दरों में 0.5% और 1.4% के बीच कमी की गई, जसिसे सार्वजनकि भवषि्य नधि (Public Provident Funds- PPF) की दर 7.9% से 7.1% हो गई।
- सरकार ने 2021-22 (अप्रैल-जून) की पहली तमिाही के लयि ब्याज दरों में और कमी करने का फैसला कयिा परंतु इसे "नरीिक्षण" (Oversight) करार देते हुए अपने फैसले को वापस ले लयिा।

लघु बचत योजनाएँ/प्रपत्र:

- **संदर्भ:**
  - ये भारत में घरेलू बचत के प्रमुख स्रोत हैं और इसमें 12 उपकरण/प्रपत्र (Instrument) शामलि हैं।
  - **जमाकर्त्ताओं को उनके धन पर सुनश्चिति ब्याज** मलिता है।
  - सभी लघु बचत प्रपत्रों से संग्रहीत राशिको राष्ट्रीय लघु बचत कोष (NSSF) में जमा कयिा जाता है।
  - कोवडि-19 महामारी के कारण सरकारी घाटे में वृद्धिकी वजह से उधार की उच्च आवश्यकता को पूरा करने के लयि छोटी बचतें सरकारी घाटे के वत्तिपोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरी हैं।
- **वर्गीकरण: लघु बचत प्रपत्रों को तीन श्रेणयिों के अंतर्गत वर्गीकृत कयिा जा सकता है:**
  - **डाक जमा:** इसमें बचत खाता, आवर्ती जमा, भन्नि-भन्नि परपिक्वता की सावधजिमा और मासकि आय योजना शामलि है।
  - **बचत प्रमाणपत्र:** राष्ट्रीय लघु बचत प्रमाणपत्र (NSC) और कसिान वकिास पत्र (KVP)।
  - **सामाजकि सुरक्षा योजनाएँ:** सुकन्या समृद्धियोजना**, लोक भवषि्य नधि (PPF) और वरषि्ठ नागरकि बचत योजना (SCSS)।**
- **दरों का नर्धिारण:**
  - छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों का नर्धिारण समान परपिक्वता वाले बेंचमार्क सरकारी बॉण्डों के अनुरूप तमिाही आधार पर कयिा जाता है। वत्ति मंत्रालय द्वारा समय-समय पर दरों की समीक्षा की जाती है।
    - पछिले एक वर्ष से बेंचमार्क सरकारी बॉण्ड यील्ड 5.7 फीसदी से 6.2 फीसदी के बीच रही है। इससे सरकार को भवषि्य में छोटी बचत योजनाओं पर दरों में कटौती करने की छूट मलिती है।
  - लघु बचत योजना पर गठति श्यामला गोपीनाथ पैनल (वर्ष 2010) ने छोटी बचत योजनाओं के लयि बाज़ार-संबद्ध ब्याज दर प्रणाली का सुझाव दयिा था।

दर में कटौती का लाभ

- चूँकि केंद्र सरकार अपने घाटे को पूरा करने के लिये लघु बचत कोष का उपयोग करती है, इसलिये कम दरें घाटे के वित्तपोषण की लागत को कम करेंगी।
- दरों में कटौती का अर्थ होगा कि सरकार चाहती है लोग अधिक-से-अधिक व्यय करें ताकि अर्थव्यवस्था को गति प्रदान की जा सके।

हानि:

- दरों में कटौती से निवेशकों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और मध्यम वर्ग को नुकसान होगा।
  - इसके अलावा कोविड-19 की दूसरी लहर से पहले भी घरेलू बचत लगातार दो तिमाहियों से घट रही है।
- आगे चलकर बैंकों द्वारा सावधि जमा दरों को और युक्तिसंगत बनाया जाएगा तथा रिटर्न में और कमी आएगी।
- कम दर का मतलब है अधिकांश ऋण प्रपत्रों पर रिटर्न की वास्तविक दर नकारात्मक होगी क्योंकि मुद्रास्फीति 5% के आसपास होगी।

प्रतिलाभ और मुद्रास्फीति दर:

- प्रतिलाभ दर एक बचत खाते, म्यूचुअल फंड या बॉण्ड में निवेश से प्राप्त होने वाली अपेक्षित या वांछित राशि है।
- प्रतिलाभ की वास्तविक दर मुद्रास्फीति की दर के समायोजन के बाद निवेश पर प्रतिफल है। इसकी गणना निवेश पर प्रतिफल से मुद्रास्फीति दर घटाकर की जाती है।
- मुद्रास्फीति में किसी व्यक्ति की वार्षिक वापसी दर को कम करने की शक्ति होती है। जब वार्षिक मुद्रास्फीति की दर प्रतिफल की दर से अधिक हो जाती है तो क्रय शक्ति में गिरावट के कारण उपभोक्ता को इसमें निवेश करने से हानि होती है।
- मुद्रास्फीति दैनिक या सामान्य उपयोग की अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि को संदर्भित करती है, जैसे कि भोजन, कपड़े, आवास, मनोरंजन, परिवहन, उपभोक्ता स्टेपल आदि। यह एक देश की मुद्रा इकाई की क्रय शक्ति में कमी का संकेत है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/interest-rates-on-small-saving-schemes